रपट

विद्या आश्रम कार्यकारिणी की ऑनलाइन बैठक

11 अक्तूबर 2022, शाम 5.30 से 7.00 तक

उपस्थित सदस्य : प्रेमलता सिंह, लक्ष्मण प्रसाद, एहसान अली, अभिजित मित्र, गिरीश सहस्रबुद्धे, जे.के. सुरेश, बी. कृष्णराजुलु और चित्रा सहस्रबुद्धे (वाराणसी के सभी सदस्य आश्रम पर उपस्थित थे)
आमंत्रित : जी. सिवरामकृष्णन, आर्यमन जैन, नरेश शर्मा और सुनील सहस्रबुद्धे

अजेंडा के अनुसार चर्चा के मुद्दों पर क्रमवार बात हुई जिसमें सभी ने हिस्सा लिया और तदनुसार सर्व सहमति से निर्णय लिए गए. बैठक की अध्यक्षता चित्रा जी ने और सञ्चालन गिरीश ने किया.

1. **वर्तमान राष्ट्रीय परिदृश्य :** चर्चा के अंतर्गत किसान आन्दोलन से उभरी सकारात्मक उर्जा के स्वरुप को उजागर करते हुए 'किसान आन्दोलन और राजनीति के बीच रिश्तों' पर विस्तार से बाते हुईं. समाज के स्वरुप, उसकी आतंरिक शक्ति के प्रकार, संत परम्परा का योगदान, न्याय और तर्क की एकरूपता का महत्व प्रमुख रहा. इन चर्चाओं में राष्ट्रीय राजनीति के क्षेत्र में विपक्षी दलों की एकता के सन्दर्भ के साथ कांग्रेस के नेतृत्व में 'भारत जोड़ो' अभियान, तेलंगाना के मुख्यमंत्री द्वारा किसान पार्टी बनाने की पहल, जन आन्दोलनों के नेतृत्व में चल रहे एकता के प्रयास और 2024 के आगामी लोकसभा चुनाव का सन्दर्भ प्रमुख रहे. अंतर्राष्ट्रीय हलचल में रूस युक्रेन युद्ध और दुनिया के लोकविद्या समाज पर इसके प्रभावों की चर्चा हुई.

2. **फेलोशिप कार्यक्रम :** इसके अंतर्गत अनुभवों को साझा करते हुए चित्राजी ने कहा कि विद्या आश्रम से अभी तक छह फेलोशिप्स दी गई है . 'समाजों की कहानी समाजों की ज़ुबानी' कार्यक्रम के तहत छह युवाओं ने इस फेलोशिप का लाभ लिया. अभिषेक, युद्धेष, लक्ष्मण, रामजनम, हरिश्चंद्र बिन्द और फ़ज़लुर्रहमान अंसारी ने अलग, अलग समाजों के बीच जाकर काम किया. कार्य के चलते विडियो और लेखन भी तैयार हुआ, जिसे सम्पादित करना होगा, लेकिन कुछ युवा लिख नहीं पाए हैं. यह भी कि फेलोशिप्स के तहत समाजों से वार्ता के अवसरों को आकार देने में मदद मिली है. वाराणसी में राजघाट,अस्सी घाट, दर्शन अखाड़ा, एवं विद्या आश्रम, ऐसे चार स्थानों पर नियमित रूप से सत्संग हो रहा है और सार्वजनिक जीवन में लगातार उपस्थिति बनी है. वाराणसी ज्ञान पंचायत, सुर साधना पत्रक और सोशल मिडिया पर इनके पेजों के बनाने में इन सभी युवाओं का योगदान रहा है. फेलोशिप के लिए आवश्यक संसाधनों के जुटाने पर गंभीरता से सोचने की ज़रूरत को महसूस किया गया.
3. **आगामी कार्यक्रम :** विद्या आश्रम से किसान और कारीगर समाजों के बीच कार्य को प्रमुखता मिलती रही है. लक्ष्मण प्रसाद ने इस दिशा में इस वर्ष हुए कार्य को रखा. आश्रम पर स्वराज ज्ञान पंचायत का आयोजन कर लोकोन्मुख राज्य की कल्पना पर विमर्श को बढाया गया और इस दिशा में ठोस कार्य के लिए लोकनीति संवाद शुरू किया गया. वाराणसी नगर पालिका के चुनाव नवम्बर में हो रहे हैं और स्वराज तथा लोकनीति के अर्थ को निरुपित करने का एक अवसर भी है.
   आने वाले दिनों में लोकविद्या सत्संग का विस्तार करना, सुर साधना पत्रक का प्रकाशन नियमित करना और वाराणसी ज्ञान पंचायत को सक्रिय किये जाने पर सबकी सहमति बनी. यह भी मत उभर कर आया कि किसान आन्दोलन और राजनीति के बीच रिश्तों को खोलने/समझने के प्रयास किये जाने चाहिए और संत परंपराओं की निरंतरता में न्याय, त्याग और भाईचारा पर आधारित समाज निर्माण के रास्ते पहचानने/बनाने में विद्या आश्रम की भूमिका को सक्रिय बनाया जाए. इसके साथ ही लोकधर्म की अवधारणा को आकार देने के

रास्ते भी खुलेंगे. इस दिशा में दर्शन अखाड़े पर छोटे-छोटे दर्शन शिविरों का आयोजन और आश्रम परिसर पर कला दृष्टि से जीवनमूल्य, तर्क और न्याय के विचारों को संयोजित करने की पहल भी शुरू होगी.

4. **वित्त :**
    - सुनील जी ने आश्रम की सामान्य वित्तीय स्थिति को बताया. नियमित तौर पर मिलने वाले योगदान से आश्रम का खर्च चलता है. ये लोग सभी आश्रम के सक्रिय सदस्य हैं. कुछ गैर सदस्यों से भी योगदान मिलता है. कुल खर्च बारह लाख के आस-पास होता है. इसके लिए नियमित योगदान देने वाले अपना योगदान थोडा बढ़ाएं तो ज़रूरत पूरी होगी. इसके लिए व्यक्तिगत स्तर पर संपर्क किया गया है और आश्वासन मिले हैं. जिन लोगों ने इस वर्ष अभी तक नहीं दिया है उन्हें अपने योगदान भेजने के लिए कहा है.
    - फेलोशिप कार्यक्रम को आगे चलाने के लिए और धन जुटाने की ज़रूरत है. इसके लिए आश्रम एक प्रस्ताव तैयार करेगा, जिसके बल पर व्यक्तियों और संस्थाओं के फेलोशिप के लिए योगदान माँगा जा सकेगा.

आश्रम परिसर पर स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं का आना-जाना बढ़ा है. पूर्वी उत्तर प्रदेश के किसान संगठनों के कार्यकर्त्ता, साझा संस्कृति मंच, वाराणसी, पी.यु.सी.एल. वाराणसी, और पी.पी.एस.टी. की गतिविधियों में आश्रम की सक्रिय सहभागिता रहती है.
विद्या आश्रम के कार्यों को आगे बढ़ाने की अपील के साथ बैठक समापित हुई.

चित्रा सहस्रबुद्धे
समन्वयक, विद्या आश्रम